12/12/25 पत्रावली मूल वाद के साथ तलब की गई। आदि.
उभय पक्षकारान उप.। मूल वाद स्वीकार किये
जाने से अब पत्रावली में कोई कार्यवाही शेष
नहीं रहती है। अतः प्रकरण को इसी स्तर पर
शेष किया जाता है। पत्रावली फैसला मुताबिक
होकर नम्बर से कम हो।

निर्णय सुनाया गया।